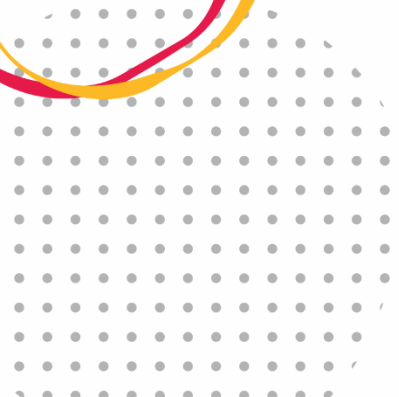




TOUCH & TREAT

Animal Care Trust



What we do at Touch & Treat Animal Care Trust ?

- Protection to animals in distress
- Provide shelter to sick and injured cases
- Provide medical facilities and proper care to the stray animals by getting them treated at the best private hospital/clinic across Delhi/NCR
- Conduct adoption drives and help out indies to find a home and a family through social media channels
- Organize puppy yoga sessions across the city to promote and help indies

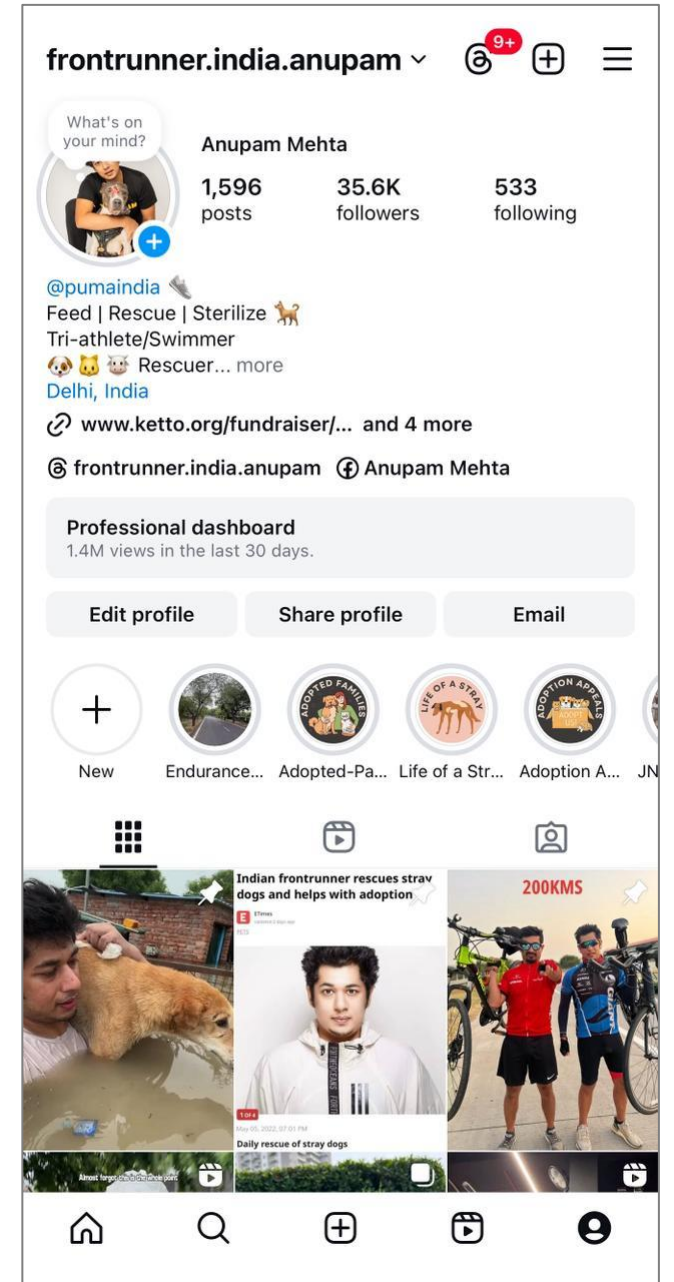


ABOUT TOUCH & TREAT ANIMAL CARE TRUST

For Social media presence of our NGO, kindly visit our website and social media page for activities conducted since inception:

Website: <https://touchandtreat.org/>

Instagram Page Presence: @frontrunner.india.anupam
<https://www.instagram.com/frontrunner.india.anupam/>





Meet the team



ANUPAM MEHTA



ASTHA KAPILA



NEHAL THUKRAL



ANURAG MEHTA

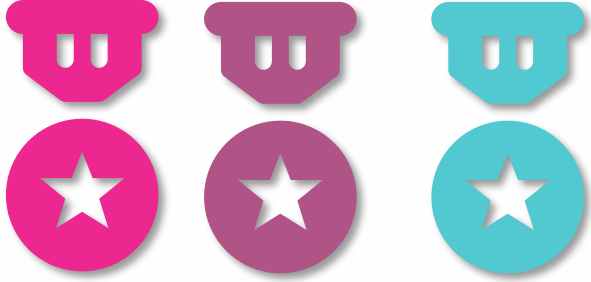


BHUVAN SHARMA

On-Ground Team

Individual commitment to a group effort-that is what makes a **teamwork**, who work tirelessly round the clock to ensure that the strays are being well taken care of through providing food, water and shelter





Karamveer Awards Nomination

The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others – Mahatma Gandhi



Following the ideology, got an official recognition and nomination for service and work towards feeding and rescuing the stray animals in the **2020 lockdown** period



कुत्तों को भी मिला मूल निवासी का अधिकार, भगाया नहीं जा सकता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पिछले दिनों कई स्थानों पर कुत्तों की बर्बरता के बाद इससे झुटकारा पाने की मांग तेज होने लगी है। लेकिन पशु प्रेमियों के लिए अच्छी खबर यह है कि कुत्तों को भी मूल निवासी का अधिकार मिल गया है। कुत्तों को भगाया नहीं जा सकता। कुत्ता भले ही लोगों को काटता हो, उसे उसके मोहल्ले या गांव से बिस्थापित नहीं किया जा सकता है। वह जहां चाहे रह सकता है या अपनी मर्जी से जा भी सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार केंद्र सरकार ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत पशु (कुत्ता) जन्म नियंत्रण नियमावली को मंगलवार को अधिसूचित कर दिया है।

पशुओं पर अत्याचार रोकने के लिए देश में पहली बार 1960 में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम लाया गया था। केंद्र सरकार ने इसी अधिनियम के तहत पशु (कुत्ता) जन्म नियंत्रण नियमावली-2023 को अधिसूचित किया है। नई नियमावली में स्पष्ट किया गया है कि उन क्षेत्रों में कुत्तों को खिलाने या आश्रय देने से भी

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की नई नियमावली अधिसूचित
स्थानीय निकायों से कहा गया, नियमों को अक्षरशः क्रियान्वित करें



जहां मर्जी रहे, वहां जा सकते हैं। फाइल

कोई मना नहीं कर सकता है, जहां ये कुत्ते रह रहे हैं। किसी क्षेत्र से कुत्तों को भगाए-हटाए बिना भी मनुष्यों एवं आवाह कुत्तों के बीच के संबंधों से निपटने के उपाय तलाशे जा सकते हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई आदेशों में विशेष रूप से उल्लेख किया है कि कुत्तों को बिस्थापित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। निगमों को पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) तथा

रेबीज रोधी कार्यक्रम को संयुक्त रूप से चलाना चाहिए। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड से मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही नसबंदी अभियान चलाने की अनुमति देनी चाहिए। ऐसे संगठनों की सूची बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए और समय-समय पर अपडेट भी किया जाए। कुत्तों की नसबंदी के दौरान भी किसी प्रकार की क्रूरता नहीं होनी चाहिए।

नई नियमावली को अधिसूचित करने के साथ ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों, पशुपालन विभाग एवं शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिवों को पत्र जारी कर दिया है। स्थानीय निकायों से आग्रह किया गया है कि वे नियमों को अक्षरशः क्रियान्वित करें। किसी भी ऐसी संस्था को ऐसे कार्यक्रम चलाने की अनुमति न दें जिसे भारतीय पशु कल्याण बोर्ड से मान्यता नहीं है और एबीसी कार्यक्रम के लिए अनुमोदित या नियमावली में वर्णित नहीं हैं। इससे पहले पशु क्रूरता निरोधक अधिनियम में 2002 में संशोधन किया गया था, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि अगर कुत्ता खतरनाक है तो भी उसे मारा नहीं जा सकता।

कुत्तों के लिए नियम बनाए तो AOA-RWA पर होगी FIR

DM की गाइडलाइंस लागू करने के लिए डिप्टी रजिस्ट्रार ने जारी किए निर्देश

■ एनबीटी न्यूज, कोएडा

सोसायटियों में अब डॉग फीडिंग पॉइंट वहां के फीडिंग से सलाह लेकर बनेंगे। पालतू कुत्तों को मजल पहनाने के लिए AOA और RWA निर्देश जारी नहीं कर सकते, ऐसा किया तो RWA, AOA हो सकती है भंग



एओए और आरडब्ल्यू इन नियमों का विरोध कर रही हैं

ये हैं गाइडलाइंस

कुत्तों को मजल पहनाने के लिए मालिक को बाध्य नहीं कर सकते, ऐसा किया तो RWA, AOA हो सकती है भंग

सोसायटियों में अब डॉग फीडिंग पॉइंट वहां के फीडिंग से सलाह लेकर बनाए जाएंगे

डीएम ने कहा है कि बेसहारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले को रोकना या धमकाना अपराध है

डॉग पॉलिसी में कुछ और

अपॉरिटी की पॉलिसी के अनुसार, पेडस ओनर अपनी सुविधा और दूसरों की सुरक्षा के लिए अपने पालतू जानवर को मजल पहना सकते हैं।

सोसायटी में डॉग फीडिंग पॉइंट है। इसके बाद भी फीडर दूसरी जगह खाना खिलाने हैं। इस पर कार्रवाई की अनुमति एओए को होनी चाहिए। - मित्रा रंजन, एओए अध्यक्ष प्रतीक विस्तीरिया सेक्टर-77

पालतू और आवाह कुत्तों को लेकर एओए को नियम बनाने के अधिकार मिलने चाहिए। किसी भी तरह की स्थिति में सोसायटी के अंदर एओए की हो जवाबदेही होती है। - पुनीत शर्मा, एओए अध्यक्ष आदित्य सोहिबिटी होम्स, सेक्टर-77

डॉग फीडिंग पर बिजली-पानी काटने की नहीं दे सकते धमकी

डीएम के निर्देशानुसार रेट एग्रीमेंट और फ्लैट खरीदने के हितों के मुताबिक, पालतू जानवरों के मालिक को बिजली पानी काटने की धमकी नहीं दी जा सकती है। पालतू जानवर रखना एक मौलिक अधिकार है। किसी सोसायटी प्रबंधन समिति द्वारा कोई नियम बनाना कानून की श्रेणी में नहीं आता है।

पालतू कुत्तों पर मजल का उपयोग AWA नियमों के खिलाफ

डीएम के निर्देशानुसार कोई एओए और आरडब्ल्यू पालतू कुत्ते के मुँह पर मजल लगाने के लिए नियम नहीं बना सकती। यह एनमल वेल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (एडब्ल्यूआई) के नियमों के विरुद्ध है। पशु को मारना, घोट पहुंचाना या हत्या भी कानून की श्रेणी में अपराध है।

पशु प्रेमियों से दुर्व्यवहार की मिली थी कई शिकायतें

कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर लगा जुर्माना उनके प्रोपर्टी बिजली मीटर से काटा जा रहा है
इन लोगों के फोटो और विडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर उनका सामाजिक बहिष्कार करना
डॉग फीडरों पर आर दिन हमले की शिकायत भी जिला प्रशासन को मिलान
किरायेदार डॉग फीडरों को चुनकर सोसायटी से बाहर निकालना
डॉग फीडरों के खिलाफ झूठी शिकायतें देकर पुलिस में केस दर्ज कराना
एओए और आरडब्ल्यू स्वच्छता की जिम्मेदारी उठाने के बजाए गंदगी के आरोप डॉग फीडरों पर धोखा
बेसहारा कुत्तों को मारना पीटना और उन्हें गार्ड के जरिये बाहर निकलवाना
डॉग फीडरों को धमकाना, उनके साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न करना

डीएम ने सितंबर में जारी किए थे निर्देश

आर दिन हो रही डॉग बबल की घटनाओं से लोग डरे-सहरे हैं। जानवरों पर होने वाली क्रूरता को रोकने के लिए डीएम ने 12 सितंबर को एक निर्देश जारी किया था। इसमें स्पष्ट तौर पर कहा कि कानून के खिलाफ एओए या आरडब्ल्यू द्वारा जानवरों के लिए नियम बनाने पर उन्हें भंग कर पदाधिकारियों के खिलाफ केस भी किया जा सकता है। डीएम ने कहा है कि बेसहारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले को रोकना या धमकाना अपराध है। डीएम के निर्देशानुसार, सभी सोसायटी और सेक्टरों में आरडब्ल्यू और एओए को एक पशु कल्याण समिति का गठन करना है। इसमें बेसहारा जानवरों के लिए काम करने वालों की भी शामिल किया जाए।

Updated Laws in India

redressal of their grievance through a process of dialogue and discussion through the Animal Welfare Committee failing which the said issue may be brought to the notice of the AWBI through the RWA. The AWBI shall ensure expeditious resolution of the issues.

150. The Government of India (Ministry of Personal, Public Grievances and Pensions, Department of Personal and Training) by Office Memorandum dated 26th May, 2006 notified that the Government servant who indulges in act of cruelty to animals will be making himself liable for action under Prevention of Cruelty to Animals Act. Besides, punishment under the Act, he would also make himself liable for action under CCS(Conduct) Rules for conduct unbecoming of a Government servant. The said Office Memorandum also added that while residents and Associations are free to address institutional agencies for redressal of their grievances, no resident/association will interfere with the freedom of other residents in tending animals etc. AWBI shall bring this to the notice of RWA of Government employees.

151. Despite the clear position of law prohibiting cruelty to the animal including stray dogs, there is increasing tendency of the citizens to defy the same. Many times, the Government employees take up a position in complete violation of well settled law which has been dealt with in the Office Memorandum dated 26th May, 2006. Such act of defiance be noted down in the ACR file of Government employee. If any such complaint is received by AWBI, the same be sent to the concerned office for being placed in the ACR file of the Government employee for necessary action as per CCS Rules.

Signature Not Verified
Digitally signed by D. Rajasekar, DN: cn=D. Rajasekar, o=AWBI, ou=Secretary, email=D. Rajasekar@awbi.org, c=IN, date=2021.12.29.14

CS(OS) 277/2020

Page 84 of 86

street dog population sterilized through an NGO engaged in Dog sterilization programme.

Conclusion

146. It shall be the duty and responsibility of the RWA or Municipal Corporation and all Government authorities including enforcement authorities like Police to provide all assistance and ensure that no hindrance is caused to the caregivers or feeders of community dogs. It shall be the duty and responsibility of the jurisdictional SHO to ensure that peace and harmony is maintained amongst the residents, care-givers and community dog feeders and there is no harassment to any care-giver or community dog feeder from feeding community dogs in the manner specified.

147. It is the duty and obligation of every Resident Welfare Association or Municipal Corporation (in case RWA is not available), to ensure that every community dog in every area has access to food and water in the absence of caregivers or community dog feeders in the said area.

148. AWBI shall ensure that every Resident Welfare Association or Municipal Corporation (in case RWA is not available), shall have an Animal Welfare Committee, which shall be responsible for ensuring compliance of the provisions of the PCA Act and ensure harmony and ease of communication between caregivers, feeders or animal lovers and other residents.

149. In case, any resident(s) or the RWA has any grievance with regard to any act of caregivers and feeders, in relation to feeding of community dogs, the said resident(s), shall, at the first instance seek

Signature Not Verified
Digitally signed by D. Rajasekar, DN: cn=D. Rajasekar, o=AWBI, ou=Secretary, email=D. Rajasekar@awbi.org, c=IN, date=2021.12.29.14

CS(OS) 277/2020

Page 85 of 86



ANIMAL WELFARE BOARD OF INDIA
(Ministry of Environment and Forests, Govt. of India)

D. RAJASEKAR, IFS
Secretary

D.O. AWBI / PCA/ Dated 3.3.08

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

Animal Welfare Board of India, a statutory body was constituted under the Prevention of Cruelty to Animal Act, 1960, an act of Parliament in order to promote of animal welfare generally and for protecting animals from being subjected to unnecessary pain or suffering. AWBI has been implementing various animal welfare schemes and enacting and implementing various acts and rules framed under Prevention of Cruelty to Animal Act, 1960.

As you are aware that Govt. of India Notified the Animal Birth Control (Dogs) Rules, 2001, under the PCA Act, 1960 vide the Gazette of India: Extra Ordinary Part II - Sec. 3 - sub. II dated 24th Dec. 2001 to implement sterilization and vaccination of stray / community dogs to control the dog population.

As per the Department of Personnel & Training, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, New Delhi letter no.F.No.30/9/2006-WELFARE dated 26.5.2006, it is informed that "if any Govt. Servant indulges in act of cruelty to animals he will be making himself liable for action under Prevention of Cruelty to Animals Act. Besides, punishment under the Act, he would also make himself liable for action under CCS (Conduct) Rules for conduct unbecoming of a Govt. Servant.

It may be noted that for dealing with the problem of stray animals, there are designated agencies in Govt./local self-government organizations etc. Such Organisations regularly undertake inoculations, sterilization of female animals etc. Recognised Associations in Govt. colonies may approach such Institutions for redressal of their grievances.

All the problems of stray animals have to be handled within the institutional framework available and no association, recognized or unrecognized, shall take recourse to action on their own, either themselves or through any person employed by them like security guards etc.

Therefore, you are directed not to remove the community dogs from the any place as it is illegal and violation of above said rules. This amounts to cruelty to animals as per PCA Act and is a punishable offence. However, it is suggested that you may take help of recognized NGOs (List of AWO's in your state is available in the website www.awbi.org) conducting ABC Programme for taking up Sterilization and immunization of stray dogs in the place to manage their population and to implement the provisions of Animal Birth Control (Dogs) Rules, 2001 in letter and spirit.

You are requested to issue proper instructions to the concerned authority in this regard.

Yours truly

Rajasekar
Secretary

Animal Welfare Board of India
पशुचरित्र बोर्ड ऑफ इंडिया

YAMUNA FLOODS – DELHI/NCR

Animals remain stuck – 13th July, 2023

For three days, NGOs, animal shelters and volunteers were working round the clock to save not just dogs, but cows, buffaloes, camels and horses along the floodplains of the Yamuna.

This was the first time ever that volunteers across Delhi/NCR joined hands to help the animals stranded in Delhi floods with flood level at 208.66 meters (Highest Flood level) since 1978.

The minute the boat reached land, the dogs and puppies ran for the food. Traumatized by the floods, a few whimpered and yelped.

But not all rescue efforts have been successful. As shelters started flooding, many animals could not be rescued in time and as a result many lives were being lost



YAMUNA FLOODS – SITE 1



YAMUNA FLOODS – SITE 1



YAMUNA FLOODS – DELHI/NCR

CENSORED

CENSORED



YAMUNA FLOODS – DELHI/NCR



YAMUNA FLOODS – DELHI/NCR

Cattle Loss

Rescuing cows and buffaloes is nothing short of an uphill task. Putting them on a boat is near impossible, so volunteers must help them swim to the shore.

When displaced families pleaded with activists and NDRF personnel to rescue their cattle and belongings, they were told that help was reserved for 'living beings.'

Volunteers at the site were seen pleading with NDRF boatmen to accompany them to the flooded area near the Delhi-Noida Direct Flyway, where many animals, including horses, were reportedly stranded. But humans came first.

YAMUNA FLOODS – SITE 2



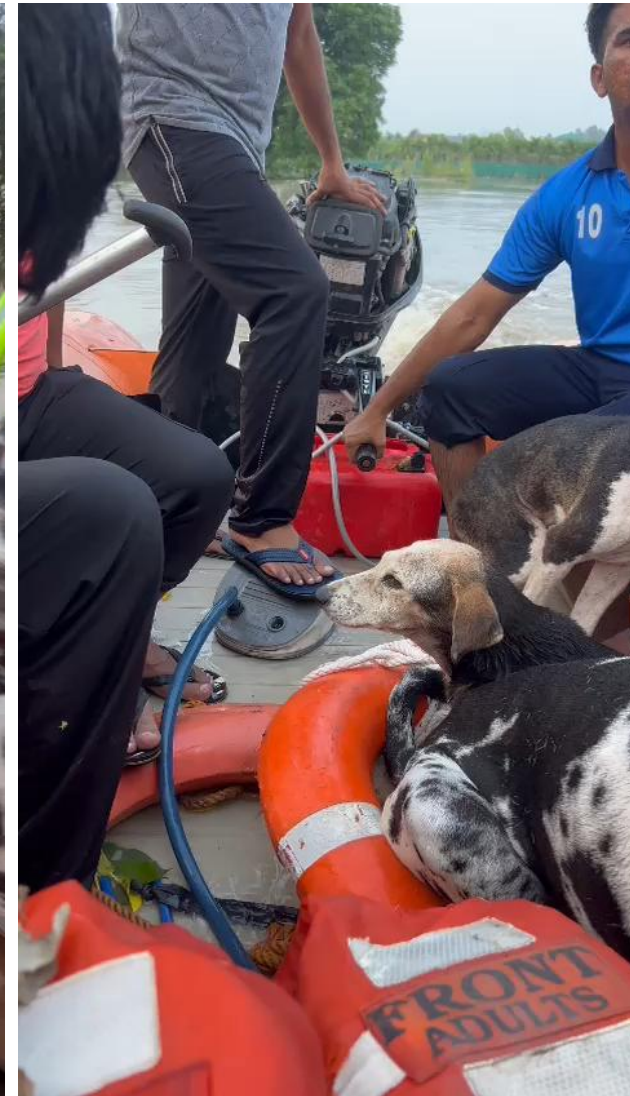
YAMUNA FLOODS – SITE 2



YAMUNA FLOODS – SITE 2



YAMUNA FLOODS – SITE 2



YAMUNA FLOODS – SITE 2



YAMUNA FLOODS – SITE 2



YAMUNA FLOODS – ITO BRIDGE (SITE 3)



YAMUNA FLOODS – ITO BRIDGE (SITE 3)



35°C

HT

Hindustan Times

ticket

Education

India

World

Delhi

Entertainment

Lifesty

News / Cities / Delhi News / Delhi floods: Volunteers paws-itively save the day

Delhi floods: Volunteers paws-itively save the day

By [Kriti Kambiri](#), New Delhi

Jul 19, 2023 12:30 AM IST


f

X

in

Join Us

Volunteers across NCR joined hands with NGOs and NDRF, to help the animals stranded in the Delhi floods. Know how the good Samaritans have been rescuing stray dogs and cattle, and providing them food and shelter.



Several volunteers have joined hands with NGOs to rescue and give shelter to animals that were stranded amid the floods in Delhi-NCR. (Photo: Sunil Ghosh/HT)

35°C

HT

Hindustan Times

ticket

Education

India

World

Delhi


Entertainment

Lifestyl

HT Premium Gandhi - From HT Archives Asian Games 2023 Videos Photos Tr

“Different teams have been deployed at the affected areas to evacuate dogs, cats and cows, and take them to either shelters or dry land,” informs Anjana Passi from Friendicoes, adding, “The effort has been primarily directed towards saving them for exposure.”

We're now on WhatsApp. [Click to join.](#)



A screengrab from a video circulating on social media, which shows Anupam Mehta saving dogs at a flooded animal shelter. (Photo: Instagram)

ThePrint

Home > Features > Around Town > Wide-eyed floating puppies, stranded cows—animal lovers on NDRF boats on Delhi flood...

Around Town

Wide-eyed floating puppies, stranded cows—lovers on NDRF boats on Delhi flood rescue

Demand for boats has skyrocketed. For now, organisations and volunteers say they have access to the NDRF in each affected area, and that too for a few hours.

SHUBHANGI MISRA 15 July, 2023 06:16 pm IST



Home > POLITICS > GOVERNANCE > ECONOMY > DEFENCE > INDIA > GROUND REPORTS > OPINION > EVENTS > VIDEO



A man rescues a dog from the Delhi flood | Suraj Singh Bisht | ThePrint

Animals remain stuck

With shelters flooded, rehoming rescued animals, even temporarily, is the priority. “We don’t have animal shelters to put them in right now. All places are packed,” he adds.

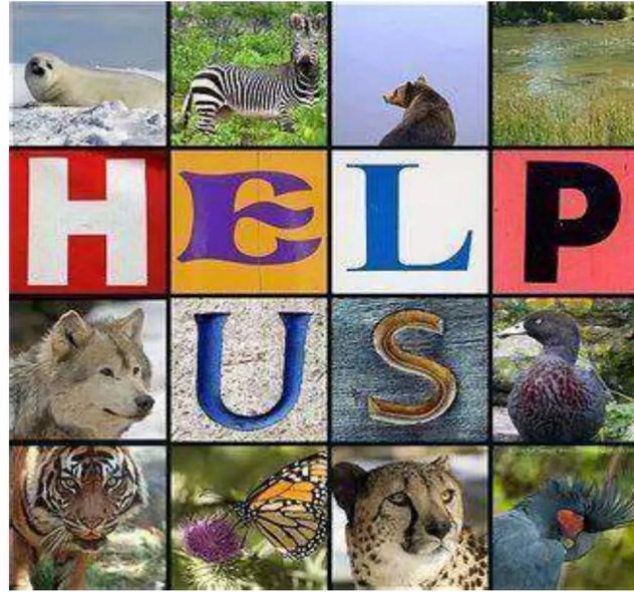
Volunteers are now reaching out to trusted families and their network of friends to identify people who can foster the dogs. The two puppies Shubhankar rescued are now warm, well-fed and in the care of an eight-year-old girl and her family.

LIVE ON AIR WITH RJ VIDIT- RADIO MIRCHI 98.3



ADOPT

SAVE A LIFE



RESCUE

**SUPPORT YOUR LOCAL
ANIMAL SHELTER**

- Educate your friends & family about the issues.
- Be a responsible pet/livestock owner
- Report animal cruelty, abuse or neglect
- Volunteer at your local animal shelter
- Adopt animals from shelters
- Speak up
- Be kind to animals of all ages
- Spread the word online & through social media platforms

GET ACTIVELY INVOLVED

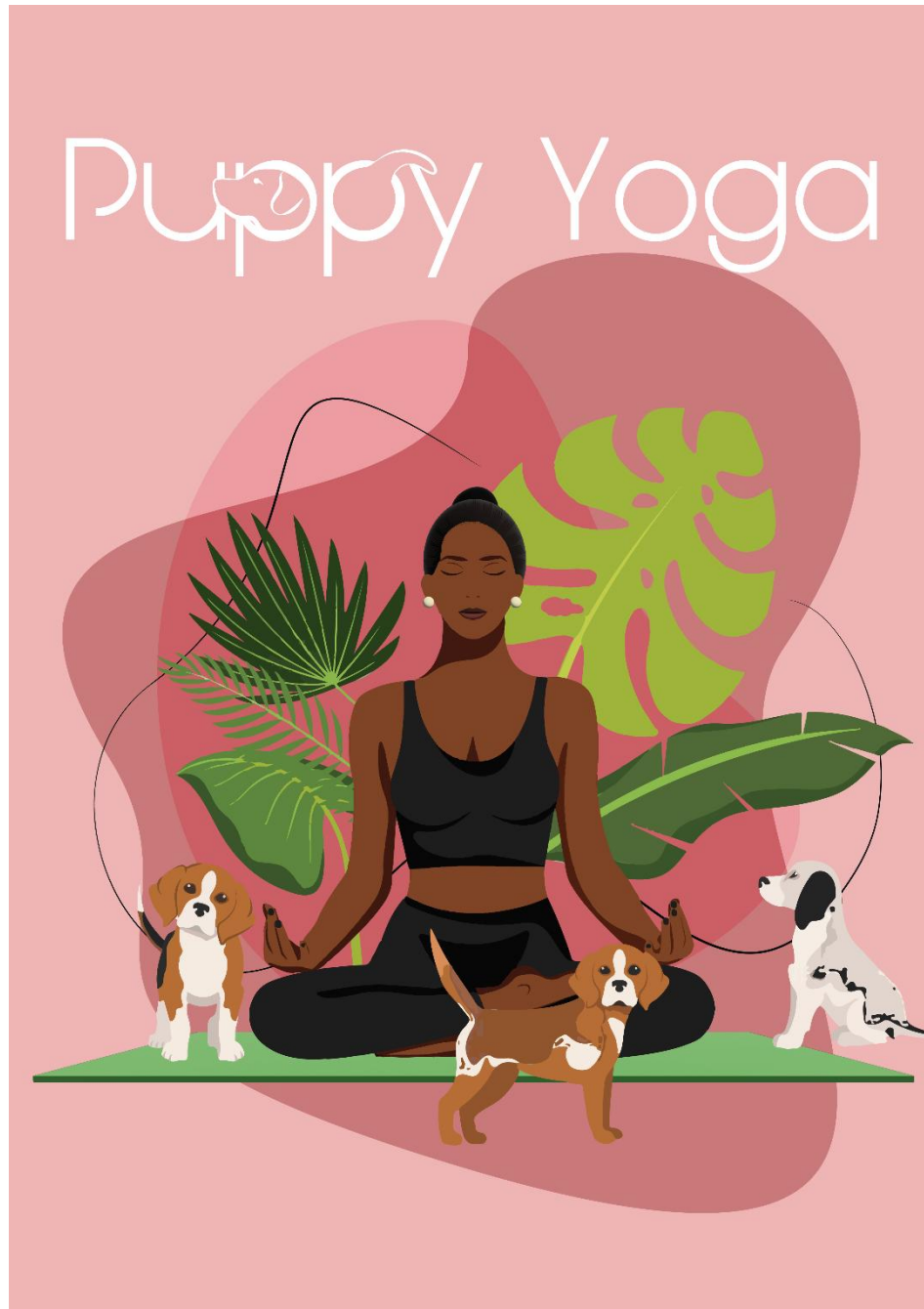
- Have your local strays sterilized and vaccinated against rabies
- Speak up against atrocities on animals.
- Learn how to register complaints, FIR's, collect evidence & submit them to PFA Delhi office (People for Animals)
- Be a part of the campaigns to help prevent mass scale cruelty to animals
- Provide food, water and shelter for local wild birds and homeless animals



FIVE FREEDOMS FOR ANIMAL WELFARE



- **Freedom from hunger and thirst:** By ready access to fresh water and food diet to maintain full health and vigour
- **Freedom from discomfort:** By providing an appropriate environment including shelter and a comfortable resting area
- **Freedom from pain, injury & disease:** By prevention or rapid diagnosis and treatment
- **Freedom to express normal behavior:** By providing sufficient space, proper facilities and company of the animal's own kind
- **Freedom from fear and distress:** By ensuring conditions and treatment which avoid mental suffering

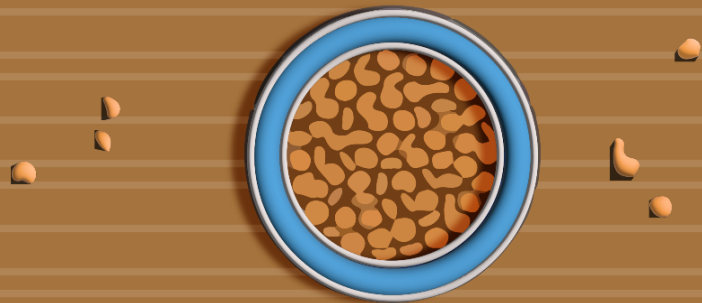


Introducing first ever Individual/Corporate puppy yoga session in Delhi/NCR

- A CSR initiative by Touch & Treat Animal Care Trust

What is Puppy Yoga?

Puppy yoga is yoga combined with pure puppy cuddles in a relaxed stress-free environment.



Read caption for details.



MEDIA COVERAGE ARTICLES – HINDUSTAN TIMES

[Explore](#) [Search](#)

Hindustan Times @100

Wednesday, Jan 15, 2025 | New Delhi 15°C

[Home](#) [Budget 2025](#) [Delhi Election 2025](#) [Games](#) [HT Photo Contest](#) [Crickit](#) [HT Premium](#)

[MahaKumbh 2025 LIVE](#) [California Wildfires LIVE](#) [HT@100 Centennial Quiz](#) [Photos](#) [Century of Leadership](#) [Web](#)

[TOP NEWS]

INDIA NEWS
BJP takes 'mental stability' jibe at Rahul over 'fighting Indian state' remark
Updated 42 mins ago

INDIA NEWS
ED arrests ex-Chhattisgarh excise minister Kawasi Lakhma in liquor scam
Updated 51 mins ago

INDIA NEWS
Meta India apologises for Mark Zuckerberg's remark on 2024 polls
Updated 1 hour ago

INDIA NEWS
Meet Abhay Singh alias 'Engineer Baba', who is grabbing limelight at Mahakumbh
Published 54 mins ago


[TRENDING TOPICS]
[Mahakumbh 2025 Live](#)

International Yoga Day: Delhiites, let the dogs out!

By [Manvi Singh](#)

Jun 21, 2023 04:54 PM IST

Those celebrating the occasion by practising yoga needn't leave their pets behind. A number of dog sessions are taking place across NCR. Here's a low-down of where all you can be part of yoga sessions with your pets as well as rescued doggos.



[Explore](#) [Search](#)

Hindustan Times @100


Wednesday, Jan 15, 2025 | New Delhi 15°C

[Home](#) [Budget 2025](#) [Delhi Election 2025](#) [Games](#) [HT Photo Contest](#) [Crickit](#) [HT Premium](#)

[MahaKumbh 2025 LIVE](#) [California Wildfires LIVE](#) [HT@100 Centennial Quiz](#) [Photos](#) [Century of Leadership](#) [Web](#)

[India News Live](#)
[Cricket Schedule](#)
[India News](#)
[Entertainment News](#)
[Budget 2025](#)
[Hollywood News Live](#)
[Bengaluru News Live](#)
[Horoscope Today](#)
[Indian Army Day 2025](#)
[Delhi Fog](#)
[PM Modi](#)
[Meta India Apology](#)

[DON'T MISS]
TRENDING
Was Bill Gates at the Mahakumbh Mela? Truth behind viral video
Updated 1 hour ago



Puppy Yoga

You'd have often taken your pet along, but how about a stray from the shelter? To develop the doggos bond with their possible future parents, yoga sessions are being conducted by @frontrunner.india.anupam. "We also help in the adoption of strays," says Anupam Mehta, who runs this Instagram page, adding, "The traditional adoption procedures reached a tipping point and hence we came up with this creative way for people to be able to spend time and interact with puppies. They might just come to the heart of taking them home, which is why one doesn't necessarily require a pet dog to practise yoga with us."

Where: IFBC Studios, Westend Marg, Saket

Timing: 10.30am to 11.30am

MEDIA COVERAGE ARTICLES – HINDUSTAN TIMES



Paws & BREATHE

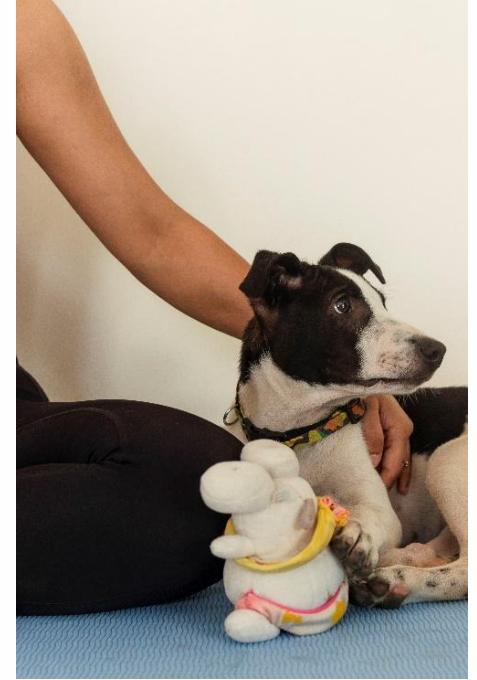
→ 📅 19th March, 2023
→ 🕒 11am - 12pm
→ 📍 Noida



Puppy Yoga

NOIDA'S FIRST EVER PUPPY YOGA CLASS – 19th March, 2023

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust

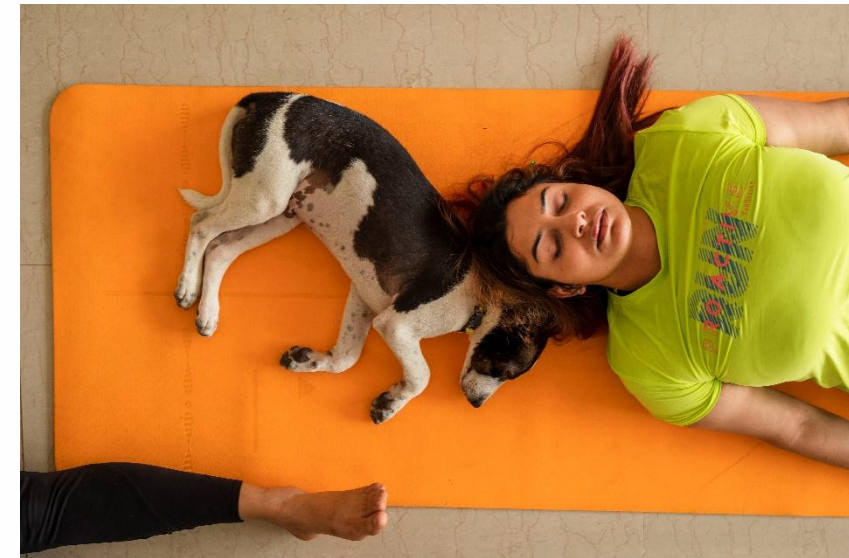


Organized the **first ever puppy yoga class in Noida** with 15 participants and indie stray puppies that were being brought from the shelter and were being given an opportunity to find homes and get adopted through 1 hour of playful puppy nibbling yoga session



NOIDA'S FIRST EVER PUPPY YOGA CLASS – 19th March, 2023

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust



GURUGRAM'S FIRST EVER CORPORATE PUPPY YOGA CLASS – 28th April, 2023

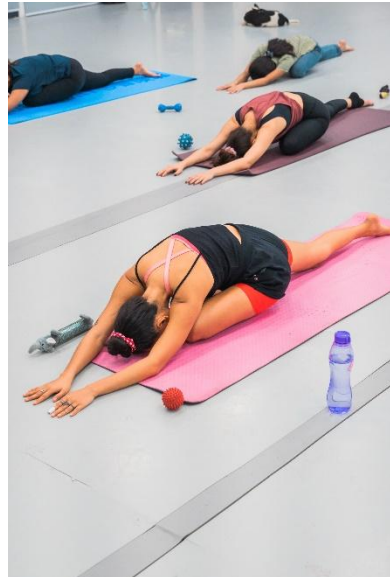
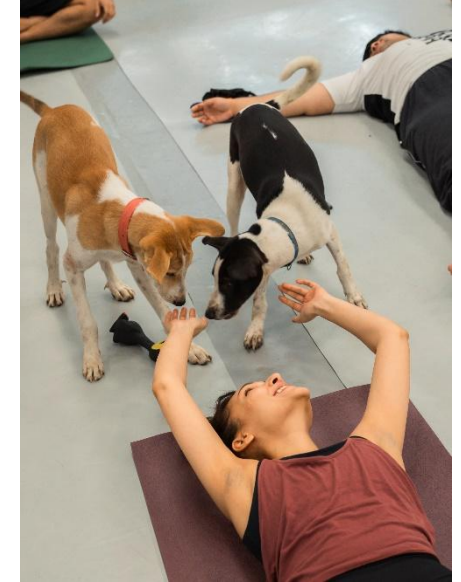


Organized **Gurugram's** first ever corporate puppy yoga session with the corporate members of The Executive having 25 participants in total, followed by group discussion and a talk session that we conducted which talked about how we can help stray animals around in our community and promote adoptions for the puppies that were bought from the different shelters.



WORLD YOGA DAY – 21st June, 2023

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust



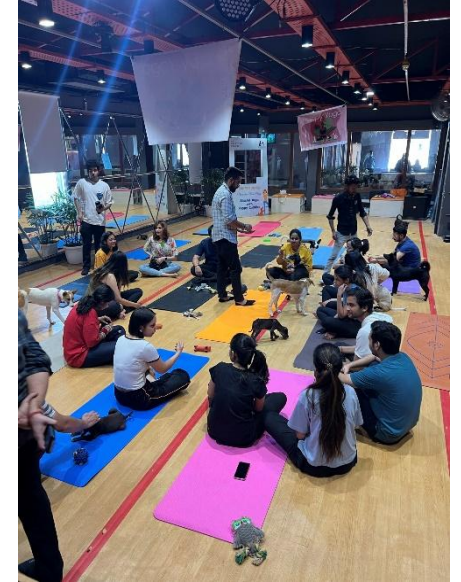
WORLD YOGA DAY – 21st June, 2023

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust



GURUGRAM'S FIRST EVER CORPORATE PUPPY YOGA CLASS – 28th April, 2023

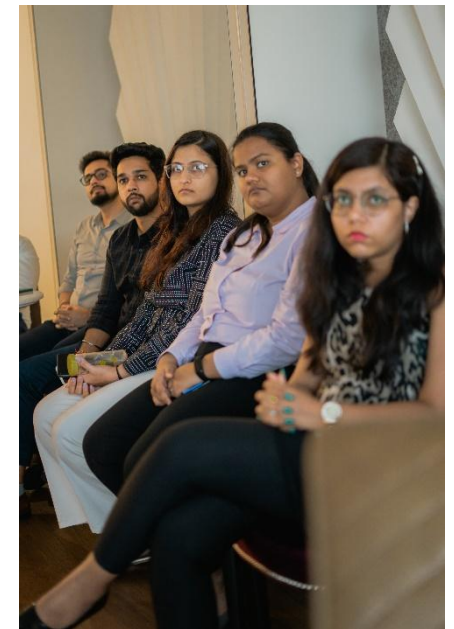
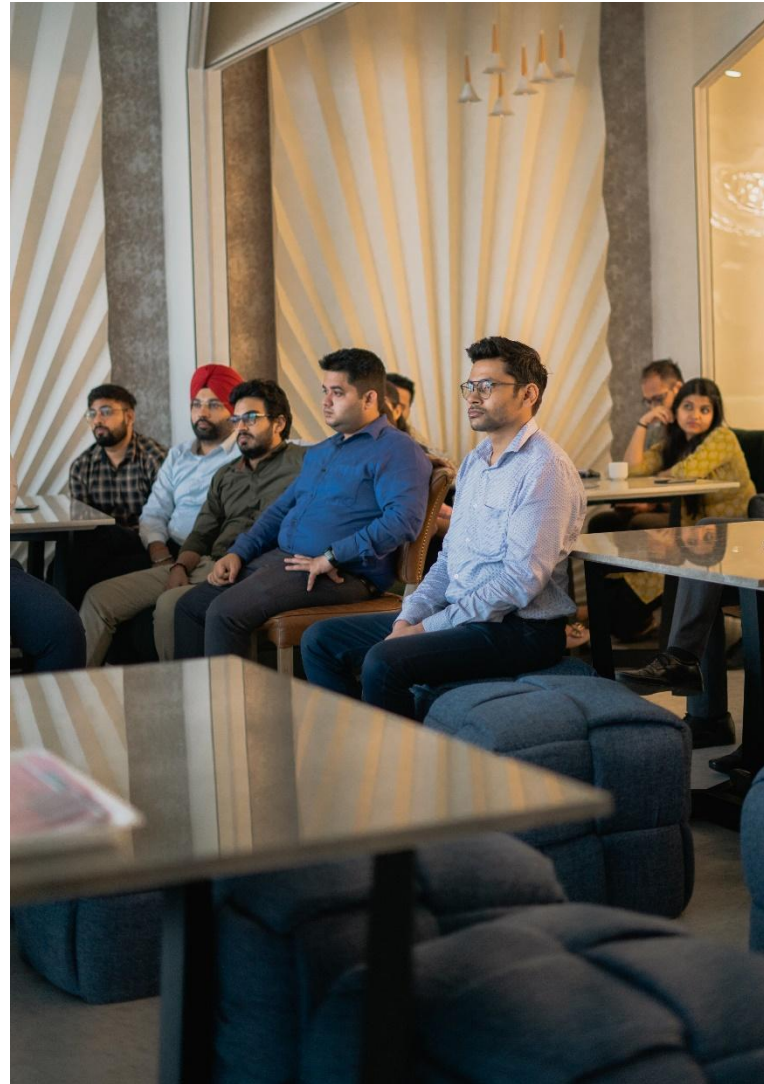
TOUCH & TREAT
Animal Care Trust



McKinsey Sector 32, Gurugram – 22nd September, 2023



THE EXECUTIVE CORPORATE WORKSHOP – 13th October, 2023



THE EXECUTIVE CORPORATE WORKSHOP – 13th October, 2023



THE EXECUTIVE CENTRE TEC X Touch & Treat Animal Trust

TEC is happy to collaborate with Touch & Treat Animal Trust who will present to us the benefits of adopting a pet and how each one of us can contribute in simple small ways.

We will also have a pop up store by Cinnamon Kitchen India who will have some amazing homemade & artisanal bakery products exclusively for TEC on sale and all proceeds will be donated for the welfare of the pets at the shelter maintained by Touch & Treat Animal trust. Come Join us in this initiative and lets make a difference collectively.

ADOPT, DONT SHOP



**13th October 2023
1600Hrs Onwards
at
Downtown Cafe'**



OUR OFFERINGS

Introducing Puppy Yoga



Our Offerings

- Puppy Yoga Group Classes
- Virtual Puppy Yoga Classes For Individuals
- Dog Boarding Centre Tour
- Indie Adoptions
- Feeding Drives

For further queries & details, you can connect with us on below:



ANUPAM MEHTA

@frontrunner.india.anupam

+91-9818637709

**All donations are Income Tax deductible under section 80G.*



ADOPT, DON'T SHOP.



- 1. You will save a life** - When you adopt a pet from a shelter, you'll give that animal a second chance at life
- 2. You'll save money and receive a healthy animal** - Animals that have been placed in shelters are usually spayed or neutered, as well as vaccinated. These initial procedures can be costly. It's also relatively inexpensive to adopt a pet from a shelter in comparison to purchasing dogs or cats from pet stores.
- 3. You'll have a large selection of pets to choose from** - Animal Shelters are often full, which means you'll have a wide selection of pets to choose from. Many shelters also have social media handles that allow potential owners to find the exact pet they're looking for by age, sex, size and breed. This enables you to find your ideal pet rather than making an impulse decision when you arrive at a shelter.
- 4. You won't be supporting puppy mills and pet stores** - For every pet purchased, a shelter pet loses out on a home. People never think to ask themselves where that puppy in the window comes from. More often than not, puppies come from puppy mills



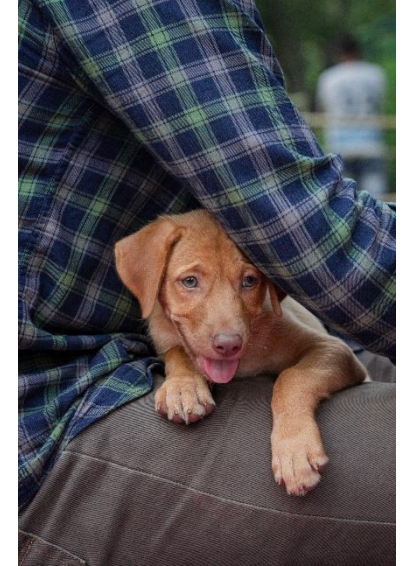
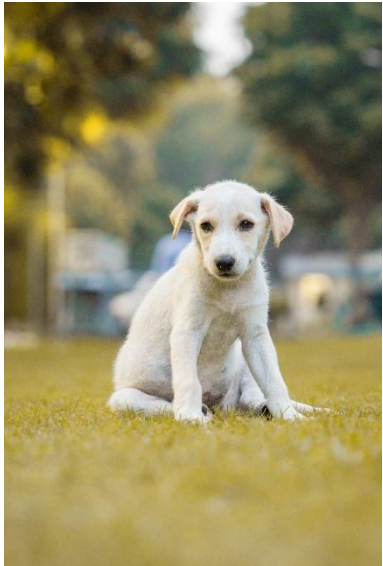
- You Will Indirectly **NOT** Be Supporting Animal Cruelty!
- You Get To Pick Your **Own Companion**
- These Animals **Deserve** A Forever Home Too!
- Thousands Of Animals Are **Eagerly Waiting!**
- **Kindness** Makes You A Better Person!
- You Will Always **Feel Proud** For Having Saved A Life!

ADOPT, DON'T SHOP.

#adoption awareness week



PUPPIES AVAILABLE FOR ADOPTION





ADOPTION DRIVES

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust





ADOPTION DRIVES

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust





RESCUE OPERATIONS – ACROSS DELHI/NCR

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust



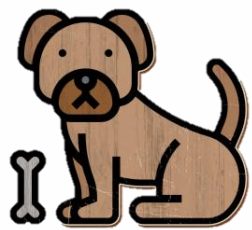
OUR WORK



VET VISITS & TREATMENT

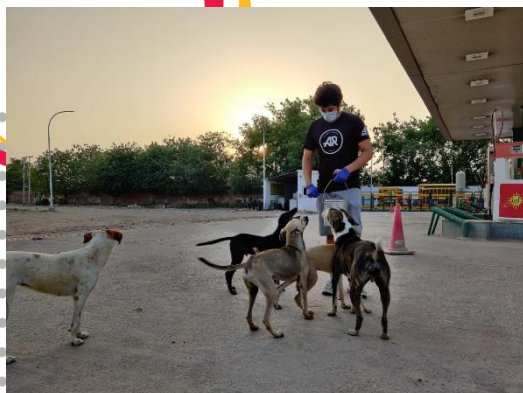
TOUCH & TREAT
Animal Care Trust

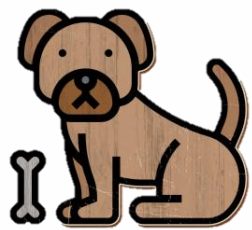




FEEDING DRIVES

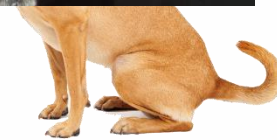
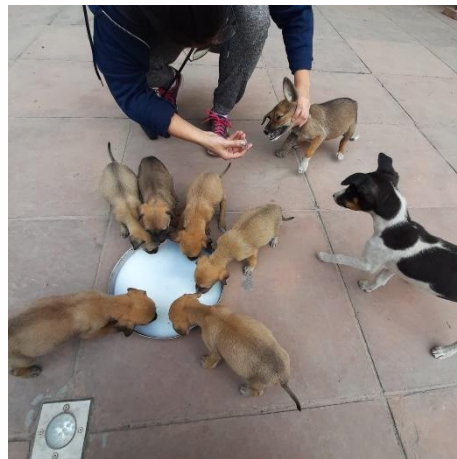
TOUCH & TREAT
Animal Care Trust





FEEDING DRIVES

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust





DOG HOUSE & SHELTERS

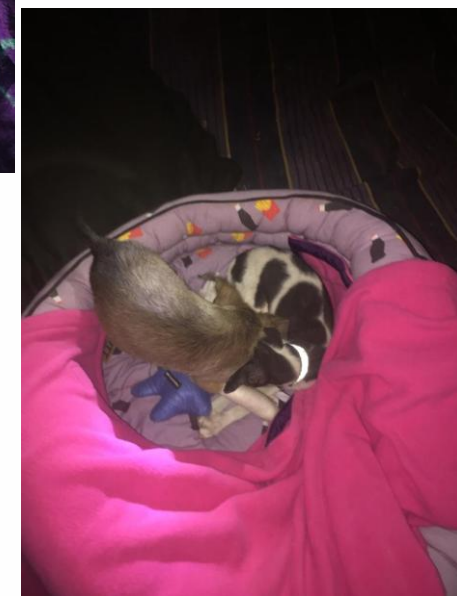
TOUCH & TREAT
Animal Care Trust





DOG HOUSE & SHELTERS

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust



MEDIA COVERAGE ARTICLES LINKS

Times of India Article:

<https://timesofindia.indiatimes.com/life-style/relationships/pets/indian-frontrunner-rescues-stray-dogs-and-helps-with-adoption/photostory/91349581.cms?picid=91349627>

Cosmopolitan Article:

<https://www.cosmopolitan.in/life/features/a24334/3-activists-share-how-they-help-animals-cope-lockdown>

The Times of Bennett:

<http://www.timesofbennett.com/features/delhi-youth-runs-drive-to-save-strays-during-pandemic/articleshow/81912230.cms>

Icraze Magazine Article:

<https://www.icraze.in/magazine/be-kind-rewind-feedthestrays-initiative-by-anupam-mehta/?unapproved=363&moderation-hash=6d92c46a6e3e59269c4bd44e3a3ddfe0>

Bombay Times:

<https://www.bombaytimes.com/lifestyle/pawsome/pawsome-exclusive-acting-is-my-love-but-animal-welfare-is-my-passion-actress-jaya-bhattacharya/1736164146557>

The Better India:

https://thebetterindia.com/web-stories/stray-animals-shelters-groups-india-we-stand-for-strays-himalayan-tails-feeding-medical-facilities/?fbclid=PAZXh0bgNhZW0CMTEAAabgZDYQgjbASgLS7sNkbTEbQokdbISjd9g2WML78Ui-qCFhntcDPHVI88_aem_cQpeMINF3KUM4zqITpERjg

MEDIA COVERAGE ARTICLES LINKS

Hindustan Times:

<https://www.hindustantimes.com/lifestyle/festivals/unleash-your-inner-yogi-with-puppy-yoga-a-fulfilling-session-with-canine-companions-on-international-yoga-day-101687346685765.html>

Hindustan Times:

<https://www.hindustantimes.com/cities/delhi-news/flooded-waters-in-delhi-ncr-leave-animals-in-distress-volunteers-and-ngos-join-forces-to-save-strays-101689690543312.html>

Hindustan Times:

<https://www.hindustantimes.com/htcity/htcity-delhi-junction/animal-activists-rescuers-welcome-ban-on-sale-breeding-of-ferocious-dogs-not-the-reason-101710333745316.html>

The Print.in:

<https://theprint.in/feature/around-town/wide-eyed-floating-puppies-stranded-cows-animal-lovers-on-ndrf-boats-on-delhi-flood-rescue/1671029/>

Wonk Article:

<https://thewonk.in/stray-dog-influx-and-selfless-rescuers/>

Food Noobie – WordPress :

<https://foodnoobiey.wordpress.com/2021/05/12/hcl-creative-editor-advocates-for-stray-animals/>

MEDIA COVERAGE ARTICLES – TIMES OF INDIA

TOI **TIMES ENTERTAINMENT** [Home](#) [Lifestyle](#) [Relationship](#) [Health+](#) [Style](#) [Visual Stories](#) [Trending](#) [Parenting](#)

Indian frontrunner rescues stray dogs and helps with adoption

TIMESOFINDIA.COM / Updated: May 6, 2022, 11:35 IST

SHARE AA FOLLOW US



1/4

Daily rescue of stray dogs

The situation of homeless, stray dogs in India has always been a matter of concern. With road and car accidents happening on a daily basis, it leaves these poor strays limping or in a critical state, left to die on the side of roads. The number of stray dogs in India is alarmingly large, sadly because of the lack of sterilization.


But there has been a massive change in people's mindsets over the past few years a ...[Read More](#)

pcs/click?xai=AKAOjsts4slpUfXC8niAcYEK1bBS-CDKjabGWrS...

TOI **TIMES ENTERTAINMENT** [Home](#) [Lifestyle](#) [Relationship](#) [Health+](#) [Style](#) [Visual Stories](#) [Trending](#) [Parenting](#)

Indian frontrunner rescues stray dogs and helps with adoption

But there has been a massive change in people's mindsets over the past few years a ...[Read More](#)



2/4

Anupam's Instagram is the hub of all rescue and adoption activities

Anupam runs his Instagram account [@frontrunner.india.anupam](#), where he posts photos and videos of the strays that he and his team rescues on a daily basis. It is quite heartwarming to see the amount of love and care Anupam has for these dogs, who have no place to go. Other than serving food and shelter, this team also nurses these dogs back to health, ready to be up for adoption. [Read Less](#)

MEDIA COVERAGE ARTICLES – TIMES OF INDIA

TOI

TIMES
ENTERTAINMENT

Home

Lifestyle

Relationship

Health+


Style

Visual Stories

Trending

Parenti

Indian frontrunner rescues stray dogs and helps with adoption



3/4

#adoptdontshop

This hashtag has become another powerful medium via which stray dogs have been able to find them forever homes. With an overwhelming number of stray dogs in India, this hashtag encourages people to adopt these dogs who already need a home, rather than buying expensive breed dogs. Anupam has been actively participating in this hashtag, and via his social media presence, he has been able to share success stories where the dogs he rescued have been adopted by some very generous people. [Read Less](#)

TOI

TIMES
ENTERTAINMENT

Home

Lifestyle

Relationship

Health+


Style

Visual Stories

Trending

Parenti

Indian frontrunner rescues stray dogs and helps with adoption



4/4

What to do when you see a stray in distress

If you see any stray that is in dire need of help and is in a critical situation, do not hesitate to dial: PETA INDIA - 98201 22602
There are multiple other helpline numbers categorised according to state, available widely on the internet.

Read also: [Never keep these animals as pets](#)
Read also: [5 pet-friendly swimming pools in Delhi-NCR you must make full use of!](#) [Read Less](#)


MEDIA COVERAGE ARTICLES – COSMOPOLITAN MAGAZINE

COSMOPOLITAN[Home](#)[Beauty](#)[Celebrity](#)[Fashion](#)[Astrology](#)[Life](#)[Videos](#)[Visual Stories](#)[Subscribe](#)

3 Activists Share How They Help Animals Cope With the Lockdown


From feeding stray animals to providing shelter to pets from Covid-positive families and more, here's how animal welfare crusaders are helping the voiceless.

04 June, 2021




Anupam Mehta

ADVERTISEMENT




more from life



COSMOPOLITAN[Home](#)[Beauty](#)[Celebrity](#)[Fashion](#)[Astrology](#)[Life](#)[Videos](#)[Visual Stories](#)

Anupam Mehta



"During the lockdown, I saw some stray dogs sitting out on the road, probably wondering where all the humans were. My first thought was that the dogs are hungry. So, I asked my mom to cook something for them and that's how my journey started. We are making each and every effort to successfully feed 200 and more stray animals during the lockdown. I never thought my one small initiative of feeding 5 dogs would make me register a trust, Touch And Treat for the Stray Animals and their Betterment."

Cosmo: *How have you and your organization helped these animals?*

Anupam Mehta: Over the last year, we have vaccinated over a hundred puppies, sterilized a large number of stray animals, and helped with various rescue and treatment cases - maggot wounds, skin infections and leg wounds. Apart from this, we have set up dog houses, winter jute beds and blankets for the stray animals across Delhi/NCR. Our team of volunteers have been feeding over 200 animals during the lockdown.

This summer we have also started our campaign The Water Bowl Project by placing earthen bowls filled with water for animals and birds. We aim to place 250 bowls this summer. We have also successfully served 1 lakh plus food meals over the span of a year across Delhi/NCR. Our team of volunteers take this very seriously and have done a great job so far!

Cosmo: *How much time do you spend every day, tending to animals in need?*

Recommended Stories

MEDIA COVERAGE ARTICLES – THE BETTER INDIA



MEDIA COVERAGE ARTICLES – THE TIMES OF BENNETT

Powered by Journalism and Mass Communication students of Benne

HOME / FEATURES / DELHI YOUTH RUNS DRIVE TO SAVE STRAYS DURING PANDEMIC

Delhi youth runs drive to save strays during pandemic

Times of Bennett | Updated: Apr 05, 2021 16:44


By PRATHAM MAHESHWARI

NEW DELHI: Animal rescue across the nation saw a spike in adoptions and encourage applications towards the beginning of the Covid-19 pandemic. Notwithstanding, attempting to proceed with animal rescue efforts and adoptions has progressively become difficult in the wake of social distancing limitations.


Anupam Mehta at the start of Covid-19 pandemic took the challenge to feed the stray. He also encouraged others as well to feed one stray a day as they also have equal rights to live in the society as we humans do. Anupam is a marathoner too and has been feeding and covering 200-300 stray dogs approximately daily.

Managing the food expense is one of the most difficult thing for Anupam as he said, "Earlier there were many eateries which used to donate their leftovers but due to the lockdown they had closed down and these animals had nowhere to look towards for food."

Anupam handles the burnout by putting appeals on social media to raise funds. The funds collected are used for feeding all these street animals who have nobody to take care of them. Anupam also quoted Charlie Chaplin, "He who feeds a hungry animal feeds his own



HOME / TOB / BU NEWS / FEATURES / BU TV / INFOGRAPHICS / PHOTO GALLERY / PODCASTS / VII



distancing limitations.

Anupam Mehta at the start of Covid-19 pandemic took the challenge to feed the stray. He also encouraged others as well to feed one stray a day as they also have equal rights to live in the society as we humans do. Anupam is a marathoner too and has been feeding and covering 200-300 stray dogs approximately daily.

Managing the food expense is one of the most difficult thing for Anupam as he said, "Earlier there were many eateries which used to donate their leftovers but due to the lockdown they had closed down and these animals had nowhere to look towards for food."

Anupam handles the burnout by putting appeals on social media to raise funds. The funds collected are used for feeding all these street animals who have nobody to take care of them. Anupam also quoted Charlie Chaplin, "He who feeds a hungry animal feeds his own soul." Antibodies and insignificant vet visits have been limited and that compromises salvage activities and the creatures they are attempting to save. "Saving one stray dog will not change the world, but surely for that one dog, the world will change forever," said Anupam.

Anupam one day did three hours of digging to bring out three puppies alive and one dead puppy who were trapped inside a tunnel at an MCD ground in Lajpat Nagar, Delhi, with his friend Neha Thukral. He looks after the vaccination and other medical expenses of the strays.

According to Anupam, dogs are one of the most loved species of animals. He added, "We tend to ignore those abandoned or born on the roads. What I am doing it is not some sort of pro-social behaviour but just a humane gesture. Let us all work together to not just help the dogs but all animals." Anupam also claims to have played an integral role in advocating the 'Adopt don't shop' voice.

The story first appeared in The Times of Bennett, the lab newspaper produced by the first semester students of The Times School of Media.

[Join exciting programmes offered by Bennett University](#)

MEDIA COVERAGE ARTICLES – ICRAZE MAGAZINE

ENTERTAINMENT FASHION FOOD SPECIALS BEAUTY DIGITAL TRAVEL FINANCE

Home / About Us / Magazine / Con

BE KIND, REWIND – #FEEDTHESTRAYS INITIATIVE BY – ANUPAM MEHTA

BY: AMIT / IN: MAGAZINE / WITH: 1 COMMENT



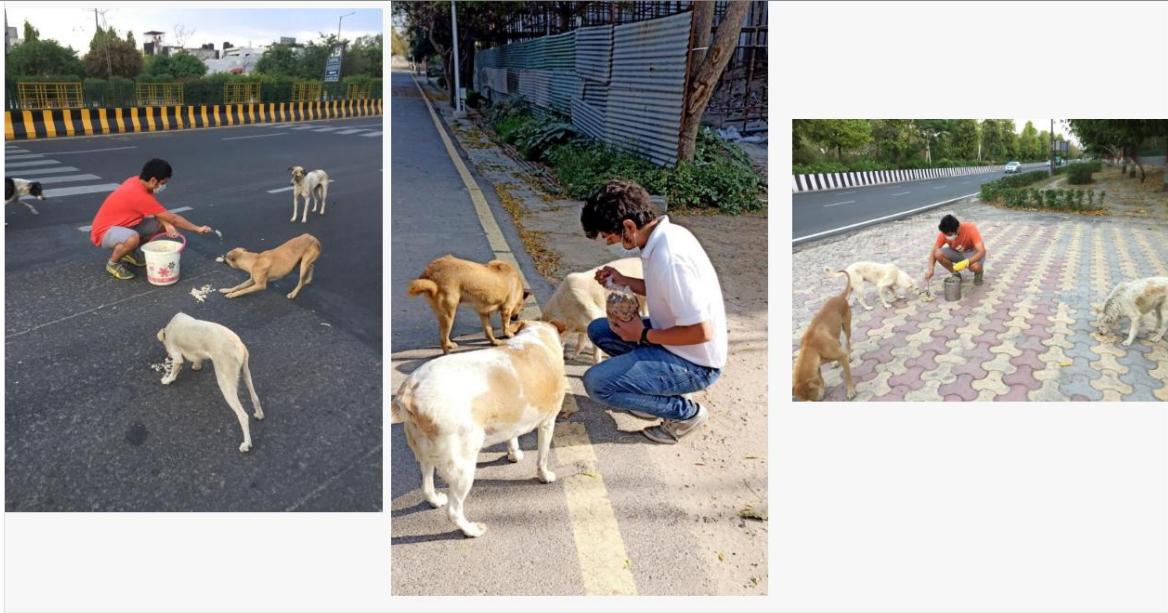
By Jasmine Khanna



By Jasmine Khanna



MEDIA COVERAGE ARTICLES – ICRAZE MAGAZINE



Uncertainty has hit us, not just a couple of us but mostly all of us. We are highly uncertain of how long this uncertainty will last and how will it shape up in the coming times. Some people are scared, some people have disengaged, and some haven't processed anything yet.

The best part is everyone has found something to do. People have at least identified these are times like no other and have to be lived differently as well. Some are making the most of every moment; some are already anticipating changes we will face once there is some sort of a hold on the uncertainty.

It's amazing though how quickly we are trying and we have adapted, our brain and body is in full gear again, in survival mode without much warning. New concepts of time and space have evolved giving us the opportunity to look inward and accordingly respond outward. No matter how public or private, people are finding and have found ways to cope, live and let live.

Everyone has adjusted surprisingly quickly and how lucky are we to be able to have done that? How privileged are we to have the intelligence to understand the individual and collective consequences, this pandemic has given rise to? How lucky are we to even make sense and attribute some logic to this fear and prep accordingly?

And yes there are some of us who realize survival is not just about surviving alone, no matter what Darwin said, you just cannot ignore what's happening to the helpless and frightened around us. Going beyond survival and personal growth there are a handful of us dedicated to feeding these animals and strays.

One of my friends Anupam has been working very aggressively and fearlessly towards this cause. He started on his own and in less than a month he has himself undertaken the responsibility of feeding almost 150-200 strays a day in Noida.

Anupam has formed three clusters and in groups these people go and feed strays. It is absolutely heartbreaking and heartwarming to see how these doggies gather around for food. These continuous efforts have brought about some changes and these people are open to donations.

Food preparation

This is what Anupam has to say "Be kind to every kind, not just mankind..."

To me being alive means feeding hungry souls... Gift me a group of stray dogs and I shall gift you a beautiful world !

I am hoping that all of us are feeding strays during these tough times of the lockdown, as they tend to remain hungry all day long. I am trying to cover as many street dogs as possible across the city. Please be kind to all animals on the street. They have equal rights to live in the society as much as we humans do.

I urge you all to feed one stray a day. One bowl from every home will make a huge difference to their world."

"Let's do our bit in the society and make a difference - [#feedthestrayschallenge](#) "

I urge you to follow his efforts on Instagram-<https://www.instagram.com/frontrunner.india.anupam/>

and support this cause as much and as far as possible.

Previous Post: [Resemblance galore!](#)

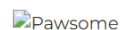
Next Post: [This World Paranormal Day, Laal Ishq talks about creating 230 ghosts and what goes behind making them look scary](#)

Lifestyle Wellness Style Weddings Hacks Astrology PAWSOME

[Home](#) / [Lifestyle](#) / [PAWSOME](#) / PAWSOME Exclusive: 'Adopting A Dog Means One Life Less On The Streets,' Says Animal Rescuer Anupam Mehta

Join Anupam Mehta in advocating for animal rights as he reveals the harsh realities faced by dogs in India and emphasizes the critical need for reform.

Rishika Singh | Updated : Sep 20, 2024, 16:16 IST



India is home to millions of dogs, many of whom roam the streets, loved by a few but largely neglected by society. Despite their loyalty and affection, these animals often find themselves victims of horrific abuse. Anupam Mehta, a frontrunner in animal rights advocacy, sheds light on the harsh realities dogs face in India and the urgent need for change. From violent attacks to the abandonment of helpless pets, Anupam Mehta's insights reveal a grim picture, but also a glimmer of hope.

Common Crimes: A Grim Picture

"The most common violent attacks against animals in our country are beating, kicking, and torturing them," says Anupam Mehta. "These are followed by their confinement and maiming. People keep animals chained, use old and unfit animals for

India is home to millions of dogs, many of whom roam the streets, loved by a few but largely neglected by society. Despite their loyalty and affection, these animals often find themselves victims of horrific abuse. Anupam Mehta, a frontrunner in animal rights advocacy, sheds light on the harsh realities dogs face in India and the urgent need for change. From violent attacks to the abandonment of helpless pets, Anupam Mehta's insights reveal a grim picture, but also a glimmer of hope.

Common Crimes: A Grim Picture

"The most common violent attacks against animals in our country are beating, kicking, and torturing them," says Anupam Mehta. "These are followed by their confinement and maiming. People keep animals chained, use old and unfit animals for work, and abandon pets. These are the most common crimes reported against dogs in India."

Anupam Mehta highlights how these crimes are often motivated by a lack of empathy and responsibility. *"Keeping dogs chained for long hours or abandoning them when they're no longer convenient has become disturbingly normalised."*

The Modern Era: Making Things Worse

According to Anupam Mehta, industrialisation and modernisation have only exacerbated animal cruelty. *"With the growth in industrialisation and the modern era, we see a change in the attitude of humans towards animals. In modern times, animals are abused, neglected, and brutally killed for many purposes,"* he explains. *"The dairy industry and the farm factory torture and give pain to the animals. They are kept away from sunlight."*

He also notes the role of social media in bringing these incidents to light: "*Numerous incidents of animal cruelty are being brought to light through social media in recent years.*"



What Drives People To Harm Dogs?

Delving into the reasons behind animal cruelty, Anupam Mehta highlights a few key factors. "People with mental health disorders, substance abuse, lack of empathy, childhood abuse, and trauma, as well as inadequate socialisation, are more likely to abuse animals," he explains. These deeper, often overlooked issues contribute to the widespread mistreatment of dogs.

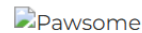
MEDIA COVERAGE ARTICLES – BOMBAY TIMES

disorders, substance abuse, lack of empathy, childhood abuse, and trauma, as well as inadequate socialisation, are more likely to abuse animals," he explains. These deeper, often overlooked issues contribute to the widespread mistreatment of dogs.

Ineffective Laws: The Need For Change

Anupam Mehta doesn't mince words when it comes to the effectiveness of India's legal framework. *"Legal regulations in India have not been very effective at deterring animal abuse," he states. "There is a need for more stringent laws and enforcement. The Prevention of Cruelty to Animals Act has not been revised since 1960. The culprits can easily get away with killing, maiming, or beating a stray animal for a fine of merely fifty rupees."*

He compares India's laws to those in other countries, emphasising the need for change. *"In almost all progressive countries, there are laws to save the animals from the infliction of unnecessary pain and suffering, or in other words, to prevent man from behaving cruelly to animals. Hence, there is an utmost need to revise the laws and regulations in our country to reduce crime and graph."*



A Call To Action: What Can We Do?

Despite the grim reality, Anupam Mehta believes the community can play a pivotal role in reducing crimes against dogs. *"By conducting and organising spay and neuter drives around our community areas to prevent birth control and from multiplying in numbers, we can make a difference," he suggests. "Vaccinate all of them to keep them rabies-free, which will in turn result in a smaller number of animal cruelty cases."*

Anupam Mehta urges individuals to take responsibility: *"Do your best to raise awareness about animal cruelty cases within your community and report them to NGOs if you see one. Adopting a dog means one life less on the streets and would prevent such crimes. Create safe shelters for them in your community areas so that they have a space to live and both humans and animals can coexist in peace."*

PAWSOME by Bombay Times is an initiative to stand up for furry friends and man's best friend to change the narrative and encourage people to make this world an equal, safer place for all dogs. Stay tuned to bombaytimes.com for all the Pawsome stories!

MEDIA COVERAGE ARTICLES – HINDUSTAN TIMES

ExploreSearch

Wednesday, Jan 15, 2025 | New Delhi 15°C

Hindustan Times@100

HomeBudget 2025Delhi Election 2025GamesHT Photo ContestHT Premium

MahaKumbh 2025 LIVECalifornia Wildfires LIVEHT@100 Centennial QuizPhotosCentury of LeadershipWeb

[TOP NEWS]

INDIA NEWS

BJP takes 'mental stability' jibe at Rahul over 'fighting Indian state' remark

Updated 50 mins ago

INDIA NEWS

ED arrests ex-Chhattisgarh excise minister Kawasi Lakhma in liquor scam

Updated 59 mins ago

INDIA NEWS

Meta India apologises for Mark Zuckerberg's remark on 2024 polls

Updated 2 hours ago

INDIA NEWS

Meet Abhay Singh alias 'Engineer Baba', who is grabbing limelight at Mahakumbh

Published 1 hour ago

[TRENDING TOPICS]


Mahakumbh 2025 Live

Animal activists, rescuers welcome ban on sale, breeding of 'ferocious' dogs, not the reason

By Henna Rakheja

Mar 13, 2024 06:46 PM IST

After recent incidents of dog attacks, the Centre has sought ban on 'ferocious' breeds. Animal activists, rescuers welcome the move, but detest the reason.



Alongside the new plea for ban, on 'ferocious' breeds of dogs, the statement by the

ExploreSearch

Wednesday, Jan 15, 2025 | New Delhi 15°C

Hindustan Times@100

HomeBudget 2025Delhi Election 2025GamesHT Photo ContestCricketHT Premium

MahaKumbh 2025 LIVECalifornia Wildfires LIVEHT@100 Centennial QuizPhotosCentury of LeadershipWeb

[LATEST NEWS]

ENTERTAINMENT

Unimpressed Abhijeet Bhattacharya says he has Diljit Dosanjh, Karan Aujla concert tickets lying unused at home

Published 5 mins ago

PRODUCT HUB

Amazon Sale 2025 is LIVE: Get up to 72% off on men's grooming products like trimmers, hair dryers, skin care and more

Published 5 mins ago

INDIA NEWS

Group of 111 farmers begins fast unto death in solidarity with ailing Dallewal

Published 6 mins ago


HTCITY

Brad Pitt impersonator dupes French woman into divorce, out of almost a million dollars: 'Dumb and dumber' conclude fans


zafinjsaPayments BankPhonePeNetAppequirusHDFC PENSIONAXIS MAX LIFE INSURANCE

REGISTER NOW


PROMOTED



Was Shashi Kapoor the most handsome...
Hindustan Times



Camila Cabello spotted kissing Henr...
Hindustan Times



Imran Khan's ex-wife Avantika Malik says...
Hindustan Times

Concurring that these breeds are not "ferocious", Anupam Mehta, founder of Touch And Treat, says, "Breeders abandon these breeds when the dogs grow old. In India, 90% of breeding is illegal (without license). With this rule, breeding for such purposes apne aap khatam ho jaayegi and people will be compelled to adopt from shelters."

MEDIA COVERAGE ARTICLES – HINDUSTAN TIMES

Barking up the wrong tree? Ban on 'ferocious' dogs welcome, not the reason

Henna Rakheja

henna.rakheja@htlive.com

Following several instances of fatal attacks, the Centre has sought a ban on the import, breeding and sale of "ferocious" dog breeds such as pitbull, rottweiler, terrier, wolf dog and mastiff as pet dogs, deeming them "dangerous for human life". The restrictions will also extend to mixed and cross-bred canines. Existing house pets of these breeds are to be sterilised.

"We applaud this step to safeguard vulnerable dog breeds exploited by criminal elements of society for illegal dogfighting, as well as children and elderly citizens who are wounded and even killed by specific breeds that are trained to consider other living beings' prey," says Shaurya Agarwal, advocacy research associate, PETA, adding that the order will help address the misuse of

these animals as weapons, as well as their high abandonment rate in India.

But not everyone is convinced. "There is no such thing as an aggressive breed," notes Ambika Shukla, animal rights activist and a trustee of People for Animals (PFA). "We welcome the regulation on sale and breeding of certain breeds, but not for the reason that the Centre has specified. These breeds are kept confined, not given any medical attention, are sold for dog fights and

get hurt or harm each other in the process. No breed is intrinsically dangerous to humans," she adds.

Concurring that these breeds are not "ferocious", Touch and Treat Animal Trust founder Anupam Mehta, says, "Breeders abandon these breeds when the dogs grow old. In India, 90% of breeding is illegal (without license). With this rule, breeding for such purposes will end and people will be compelled to adopt from shelters."

NOTE TO READERS: Some of the coverage that appears on our pages is paid for by the concerned brands. No sponsored content does or shall appear in any part of HT without it being declared as such to our valued readers.



PHOTO:
SHUTTERSTOCK (FOR
REPRESENTATIONAL
PURPOSE ONLY)

Barking up the wrong tree? Ban on 'ferocious' dogs welcome, not the reason

these animals as weapons, as well as their high abandonment rate in India.

But not everyone is convinced. "There is no such thing as an aggressive breed," notes Ambika Shukla, animal rights activist and a trustee of People for Animals (PFA). "We welcome the regulation on sale and breeding of certain breeds, but not for the reason that the Centre has specified. These breeds are kept confined, not given any medical attention, are sold for dog fights and

get hurt or harm each other in the process. No breed is intrinsically dangerous to humans," she adds.

Concurring that these breeds are not "ferocious", Touch and Treat Animal Trust founder Anupam Mehta, says, "Breeders abandon these breeds when the dogs grow old. In India, 90% of breeding is illegal (without license). With this rule, breeding for such purposes will end and people will be compelled to adopt from shelters."

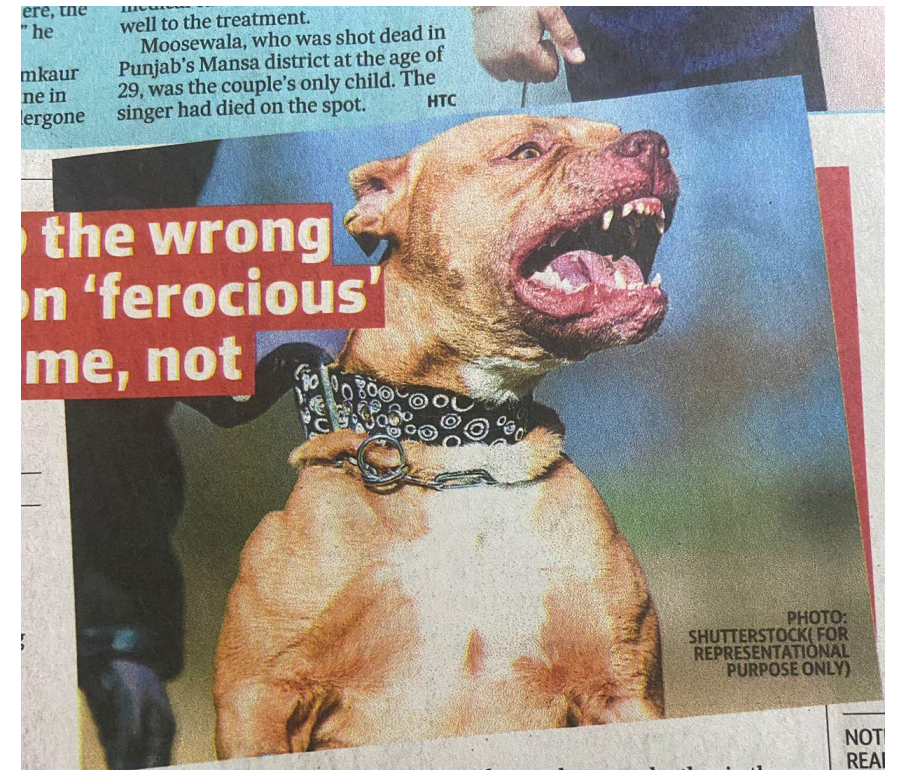


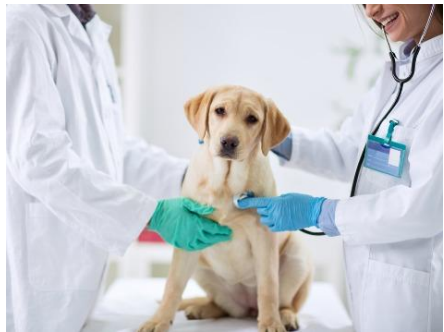
PHOTO:
SHUTTERSTOCK (FOR
REPRESENTATIONAL
PURPOSE ONLY)



VISION– FOR 2025

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust

Buy a **Maruti Eeco van** which will be used for conduction rescue operations and treatment for the strays with a driver



Organize sterilization drives **twice** a month to spay & neuter animals across the Delhi/NCR

Organize 24 feeding drives every month (240 feeding drives in a year) across the different spots and places

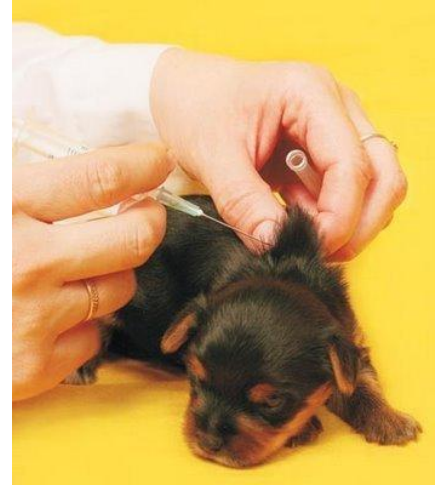


Setup doghouses, food bowls, beds, blankets, sweater and jackets to fight the winters and cold



VISION– FOR 2025

Conduct vaccination drives to get the strays vaccinated for a healthy and a longer life



Expand Dog shelter for extreme injured and sensitive cases

Conduct adoption drives across the city to find the new home and families for the younger ones



Stop animal brutality and violence across the city



DONATION DETAILS

TOUCH & TREAT
Animal Care Trust

**BANK
TRANSFER**

Bank Name: IDFC Bank
Account Name - TOUCH & TREAT ANIMAL CARE TRUST
Savings A/C - 79818637706
IFSC Code: IDFB0020162



paytm



PhonePe

**BHIM
UPI**

Anupam Mehta - +91-9818637709



Anupam Mehta
paypal.me/anupam2409



**Let's join
hands
together to
save more
lives !**



+91-9818637709



Frontrunner.india.anupam



anupam.mehta24@gmail.com